V संगठन और प्रबंध

नाबार्ड अपने मानव संसाधन के विकास को महत्त्व देता है तथा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अपने विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करता है. इस अध्याय में बैंक के प्रबंधन, प्रशासनिक मामलों तथा मानव संसाधन संबंधी विभिन्न विकास कार्यों पर प्रकाश डाला गया है.

सामान्य

अ. निदेशक मंडल

5.2 वर्ष के दौरान निदेशक मंडल की छह बैठकें हुईं. इसके अतिरिक्त, कार्यपालक समिति की चार, आरआईडीएफ के अंतर्गत ऋणों के लिए परियोजना मंजूरी समिति की छह तथा लेखा परीक्षा समिति की चार बैठकें हुईं. निदेशक मंडल के निर्देशानुसार सात सदस्यों की एक जोखिम प्रबंधन समिति गठित की गई तथा सितम्बर 2005 में इसकी पहली बैठक हुई.

5.3 30 नवम्बर 2005 को श्रीमती रंजना कुमार, अध्यक्ष ने पद त्याग दिया. डॉ.वाई.एस.पी.थोरात बैंक के प्रबंध निदेशक बने रहे. भारतीय रिज़र्व बैंक का उप-गवर्नर नियुक्त किए जाने के परिणामस्वरूप श्रीमती उषा थोरात को 22 नवम्बर 2005 से श्री वी.लीलाधर, उप-गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक के स्थान पर नाबार्ड के बोर्ड में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया.

5.4 31 जनवरी 2005 को श्री एन. एस. सिसोदिया के सेवानिवृत्त होने के बाद उनके स्थान पर श्री अमिताभ वर्मा, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय , आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार को 14 जुलाई 2005 से निदेशक नामित किया गया. श्री एम.शंकर की 30 जून 2005 को सेवानिवृत्ति के उपरांत उनके स्थान पर श्री प्रत्यूष सिन्हा, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार को 05 जुलाई 2005 से निदेशक नामित किया गया. इसके उपरांत, श्री प्रत्यूष सिन्हा के स्थान पर 09 जनवरी 2006 से डॉ.(श्रीमती) रेणुका विश्वनाथन, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय को निदेशक नामित किया गया. उन्हें परियोजना मंजूरी समिति का सदस्य भी नामित किया गया. श्री गौतम बुद्ध मुखर्जी के स्थान पर डॉ.आर.एन.बोहिदार, कृषि उत्पादन आयुक्त-सह-अतिरिक्त मुख्य सचिव, उड़ीसा को 01 अप्रैल 2005 से निदेशक नियुक्त किया गया.

5.5 श्रीमती उषा थोरात, डॉ.आर.एन.बोहिदार तथा श्री अमिताभ वर्मा को कार्यकारी समिति, परियोजना मंजूरी समिति, लेखा परीक्षा समिति तथा जोखिम प्रबंधन समिति का सदस्य भी नामित किया गया.

5.6 श्री. जे.के.डाडो, विकास आयुक्त, कृषि विभाग, गोवा सरकार तथा श्री बी.के.एस.राय, अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं कृषि उत्पादन आयुक्त, छत्तीसगढ़ सरकार को क्रमशः 19 जुलाई 2005 तथा 16 जून 2005 से डॉ.विजय एस. मदान तथा डॉ.पी.राघवन के स्थान पर निदेशक नियुक्त किया गया. इसके उपरांत, श्री बी.के.एस.राय के स्थान पर श्री पंकज द्विवेदी, प्रधान सचिव, कृषि विभाग तथा कृषि उत्पादन आयुक्त, छत्तीसगढ़ को 07 नवम्बर 2005 से निदेशक नियुक्त किया गया. उन्हें परियोजना मंजूरी समिति का सदस्य भी नामित किया गया. श्री जे.के.डाडो तथा श्री पंकज द्विवेदी 20 फरवरी 2006 को कारोबार की समाप्ति से नाबार्ड के बोर्ड के निदेशक नहीं रहे. श्री सुरमपुड़ी शिवकुमार, मुख्य कार्यपालक, कृषि व्यापार, आईटीसी लि. को 07 फरवरी 2006 से नाबार्ड अधिनियम 1981 की धारा 6(1)(ख) के अंतर्गत निदेशक नामित किया गया. उन्हें कार्यपालक समिति, लेखा परीक्षा समिति तथा जोखिम प्रबंधन समिति का सदस्य भी नामित किया गया.

5.7 धारा 6(1)(क) के अंतर्गत नाबार्ड के अध्यक्ष का पद 31 मार्च 2006 की स्थिति में खाली रहा तथा नाबार्ड के निदेशक मंडल में क्रमशः नाबार्ड अधिनियम 1981 की धारा 6(1) (ख), 6(1) (ग) और 6(1) (ड.) के अंतर्गत दो पद रिक्त रहे.

आ. नाबार्ड का निरीक्षण

5.8 31 मार्च 2005 की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में 08 फरवरी 2006 से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नाबार्ड का आठवां वित्तीय निरीक्षण किया गया.

इ. क्षेत्रीय / जिला विकास प्रबंधक कार्यालय

5.9 वर्ष के दौरान 10 राज्यों में अठारह नए जिला विकास प्रबंधक कार्यालय खोले गए जिससे 31 मार्च 2006 को इनकी कुल संख्या 376 हो गई. इसके अलावा, इन जिला विकास प्रबंधक कार्यालयों से 93 जिलों को जोड़ा गया है, जिससे देश के 83 प्रतिशत जिलों में जिला विकास प्रबंधकों की सेवाएं उपलब्ध हो गई हैं. जिन जिलों के विकास कार्यों को जिला विकास प्रबंधक कार्यालय नहीं देखते हैं उनका विकास कार्य नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों में स्थित जिला विकास अधिकारी देखते हैं. नाबार्ड का कॉरपोरेट कार्यालय मुंबई में स्थित है जबकि राज्यों की राजधानियों में 28 क्षेत्रीय कार्यालय हैं, पोर्ट ब्लेयर में एक उप कार्यालय है, श्रीनगर में एक कक्ष है तथा बोलपुर और लखनऊ में प्रशिक्षण संस्थान हैं.

मानव संसाधन विकास

अ. प्रशिक्षण और कौशल-उन्नयन

क. अधिकारी और कार्यपालक

5.10 राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय (एनबीएससी), लखनऊ बैंक अधिकारियों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है और नीतिगत तथा परिचालनात्मक मुद्दों पर बैठकें, कार्यशालाएं आयोजित करता है. यह परामर्श सेवाएं प्रदान करने के अलावा विभिन्न संवर्धनात्मक और विकासात्मक परियोजनाओं के अंतर्गत अध्ययनों तथा ऑन-साइट कार्यक्रमों का आयोजन करता है और कृषि तथा ग्रामीण विकास के संवर्धन से जुड़े अन्य संस्थानों से सहयोग करता है. वर्ष के दौरान मेसर्स यूआरएस सर्टीफिकेशन लि. ने राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय को आईएसओ (9001:2000) प्रमाण पत्र प्रदान किया है. वर्ष 2005-06 के दौरान कार्य-व्यापार, व्यवहार और तकनीक के क्षेत्रों से संबंधित 98 कार्यक्रम संचालित किए गए जिनमें 1,758 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया. ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि, वाटरशेड, जीओपीपी, प्राथमिक उधारदाता संस्थाओं के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, ग्रामीण आवास सहित ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र, व्यवहार-विज्ञान इत्यादि कार्यक्रमों के अलावा वर्ष के दौरान 'कमजोर बैंकों के लिए टर्न-एराउंड स्ट्रेटेजी', 'निधि प्रबंधन और आस्ति देयता प्रबंधन', 'परामर्श कार्यों में कौशल' और 'पर्यवेक्षण विभाग के अधिकारियों के लिए समस्या समाधान पर उच्चतर कार्यक्रम' भी शुरू किए गए. इसके अतिरिक्त, तीन कार्यक्रम अर्थात् ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र, प्रस्तुतीकरण कौशल और वाटरशेड परियोजनाओं का अनुप्रवर्तन कार्यक्रम पूर्णतया हिंदी में चलाए गए. संकाय सदस्यों की प्रशिक्षण योग्यताओं को बेहतर बनाने के लिए उन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार द्वारा डिजाइन किए गए बेसिक प्रशिक्षक प्रशिक्षण कौशल कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया.

5.11 वर्ष के दौरान 553 अधिकारियों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों अर्थात् बैंकर्स ट्रेनिंग कॉलेज (बीटीसी), मुंबई; कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे; दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली; आईआईटी, रुड़की; जवाहर लाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट बैंकिंग, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट, नेशनल एकेडमी ऑफ कन्स्ट्रक्शन, हैदराबाद; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, पुणे ; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्मॉल इण्डस्ट्री एक्सटेंशन ट्रेनिंग, इत्यादि द्वारा पहले से चले आ रहे कार्यक्रमों और उनके लिए विशेष रूप से तैयार किए गए कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में प्रतिनियुक्त किया गया. इन कार्यक्रमों में शामिल कुछ क्षेत्र इस प्रकार थे : सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा, भारतीय ऋण बाजार, इंस्टाएकाउन्ट, वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पर्यावरणीय नीतिगत मुद्दों पर कार्यक्रम, अर्थशास्त्र की पृष्ठभूमि वाले अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम.

5.12 इसके अलावा, अधिकारियों के चुने हुए समूह के लिए विशेष एक्सपोजर दौरों/कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया ताकि उनके कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण को विकसित किया जा सके. इनमें शामिल थे-(i)सीधी भर्ती के 24 अधिकारियों के लिए व्यापक आदिवासी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत भारती एग्रो इंडस्ट्रीज फाउन्डेशन द्वारा गुजरात जिले के नवसारी में चलाई जा रही 'वाडी' परियोजना का एक्सपोजर दौरा; (ii) नाबार्ड और कमोडिटी एक्सचेंज के बीच होने वाले सहयोग को दृष्टिगत रखते हुए अधिकारियों को फ्यूचर्स कमोडिटी बाजार के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के लिए कमोडिटी ट्रेडिंग पर कार्यक्रम; (iii) उच्चतर निष्पादन के लिए उनके गुणों को सुदृढ़ करने की दृष्टि से कर्नाटक क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों हेतु 'न्यूरोबिहेवियरल कंट्रोल्स एंड पोटेंशियलिटी मैनेजमेंट टेस्ट' पर आधारित एक अनोखा कार्यक्रम

ताकि उनकी कार्यनिष्ठा, कार्य उपलब्धियों, निर्णय लेने की क्षमता, अंतरवैयक्तिक संबंध और नेतृत्व का आकलन किया जा सके; (iv) 24 अधिकारियों के लिए बीटीसी, मुबंई के माध्यम से ऋण जोखिम प्रबंधन पर विशेष कार्यक्रम ताकि बेसल II समझौते के अनुरूप जोखिम प्रबंधन की सुदृढ़ नीति तैयार करने के लिए इनकी क्षमता का निर्माण किया जा सके.

i. विदेशों में प्रशिक्षण

5.13 वर्ष के दौरान, नाबार्ड के 67 अधिकारियों को विदेशों में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों / एक्सपोजर दौरों, संगोष्ठियों इत्यादि के लिए प्रतिनियुक्त किया गया. 9 और 10 अधिकारियों के दो दलों को क्रमशः जल प्रबंधन और वर्षासिंचित खेती की पद्धतियों और कृषि प्रसंस्करण तथा ग्रामीण औद्योगिकीकरण का अध्ययन करने के लिए वेट्ज़ सेंटर ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, इजराइल में प्रतिनियुक्त कर भेजा गया. इसके अलावा 9 तथा 10 अधिकारियों के दो दल एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट बैंक ऑफ चाइना गए ताकि ग्रामीण औद्योगिकीकरण, कृषि बीमा, कृषि वेंचर पूंजी और ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में उनके द्वारा निभाई गई भूमिका से उन्हें परिचित कराया जा सके. इन दौरों / कार्यक्रमों से संबंधित अन्य संस्थाएं स्टैनफोर्ड यूनीवर्सिटी, कॉर्नेल यूनीवर्सिटी, पैन एशिया फोरम, अंकटाड, गैलिली कॉलेज, स्कूल ऑफ माइक्रो फाइनेन्स (केन्या) इंस्टीट्यूट फॉर रिलेशन्स बिट्वीन इटली एण्ड दि कन्ट्रीज़ ऑफ अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, दि मिडिल ईस्ट एण्ड दि फार ईस्ट (इपालमो), अप्राका आदि हैं.

ii. वरिष्ठ प्रबंधन के दौरे

5.14 श्रीमती रंजना कुमार, अध्यक्ष, नाबार्ड ने न्यूयॉर्क में एशिया सोसायटी में एक संगोष्ठी को और स्टैनफोर्ड ग्रेज्युएट स्कूल ऑफ बिजनेस, कैलिफोर्निया के छात्रों को संबोधित किया. उन्होंने 'ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने में नाबार्ड की भूमिका' पर वॉशिंगटन में विश्व बैंक के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया. उन्होंने थाइलैंड में अप्राका की 15वीं सामान्य सभा एवं 49वीं एक्सकॉम बैठक में सहभागिता की तथा लीमा, पेरू में वर्ल्ड सेविंग्स बैंक इन्स्टीट्यूट की सामान्य सभा और माइक्रो फाइनेन्स पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सा लिया.

5.15 डॉ.वाई.एस.पी.थोरात, प्रबंध निदेशक, नाबार्ड ने वैट्ज़ सेन्टर ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़, इजराइल में अध्ययन दल की परिचर्चा में हिस्सा लिया. उन्होंने बर्न, स्विटजरलैंड में इंटरनेशनल ईयर ऑफ माइक्रो फाइनेन्स, 2005 पर आयोजित एसडीसी सिम्पोजियम में भी हिस्सा लिया और 'पाथ्स टू प्रॉस्पेरिटी' पर आलेख प्रस्तुत किया.

ख. अन्य कर्मचारी

5.16 ग्रुप 'बी' और 'सी' कर्मचारियों को राष्ट्रीय बैंक प्रशिक्षण केन्द्र (एनबीटीसी), लखनऊ और आंचलिक प्रशिक्षण केन्द्र (जेडटीसी), हैदराबाद में प्रशिक्षण दिया जाता है. वर्ष 2005-06 के दौरान इन केन्द्रों पर 68 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें 987 प्रशिक्षार्थी शामिल हुए. इसके अलावा, रखवालों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रुप 'बी' स्टाफ के लिए आयकर की गणना एवं खातों की वार्षिक लेखाबंदी पर कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया.

ग. शिक्षण को आत्मसात् करने का अनुप्रवर्तन एवं प्रलेखन

5.17 प्रशिक्षण पर किए जा रहे निवेश से होने वाले प्रतिफल के निर्धारण हेतु मानव संसाधन विकास विभाग में शिक्षण को आत्मसात् करने का अनुप्रवर्तन एवं प्रलेखन करने के लिए एक कक्ष की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य है, प्रशिक्षण में भाग ले चुके अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यों से प्राप्त सूचना का मिलान तथा विश्लेषण करना और शिक्षण को आत्मसात् करने की प्रक्रिया को सुदृढ करने के लिए समुचित उपाय करने तथा कार्यक्रम और नीतियों में और अधिक परिष्कार हेतु प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और फीडबैक को प्रसारित करना.

घ. नाबार्ड में ग्रीष्मकालीन पदस्थापना

5.18 नाबार्ड ने प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के अच्छी शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों को नाबार्ड से संबंधित क्षेत्रों, विशेषकर ग्रामीण विकास, बहु-क्षेत्रीय कार्य परियोजनाओं, बैंकिंग और संस्था विकास इत्यादि के अध्ययन के अवसर प्रदान करने के लिए ग्रीष्मकालीन पदस्थापना योजना शुरू की. 2005-06 के दौरान, कृषि महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों के स्नातक / स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों और साथ ही उच्चतर शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को अध्ययन करने का कार्य सौंपा गया. यह योजना 10 राज्यों में 9 चुने हुए क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से कार्यान्वित की गई जिसमें 46 विद्यार्थियों ने नाबार्ड से संबंधित 28 परिचालनात्मक क्षेत्रों से जुड़े 43 अध्ययन पूरे किए. ये रिपोर्टें विचाराधीन हैं.

ङ. अध्ययन अवकाश

5.19 वर्ष के दौरान, विशिष्ट विषयों अर्थात् अंतरराष्ट्रीय वित्त और सामाजिक उद्यमिता, ग्रामीण प्रबंधन तथा कृषि एवं जलीय संसाधन प्रबंधन में विदेशों के सुप्रसिद्ध संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु तीन अधिकारियों को अवकाश मंजूर किया गया.

आ. भर्ती, पदोन्नति एवं स्टाफ की संख्या

क. सीधी भर्ती

5.20 वर्ष के दौरान, ग्रुप 'बी' और 'सी' संवर्ग में क्रमशः 7 (एक अपिव एवं दो अजा) और 13 व्यक्ति (चार अजा एवं दो अजजा) भर्ती किए गए. ग्रुप 'बी' और 'सी' संवर्ग में भर्ती किए गए कुल 20 व्यक्तियों में से 15 की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर की गई.

ख. पदोन्नति

5.21 वर्ष के दौरान ग्रेड 'ई' से 'एफ', 'डी' से 'ई' और 'सी' से 'डी' में क्रमशः 6, 21 और 39 पदोन्नतियां की गईं. ग्रेड 'सी' तक की गई पदोन्नतियों का विवरण तालिका 5.1 में दिया गया है. इसके अलावा, ग्रुप 'सी' से पांच कर्मचारियों की पदोन्नति ग्रुप 'बी' में की गई और ग्रुप 'सी' संवर्ग के अंतर्गत 21 (सात अजा एवं एक अजजा) पदोन्नतियां की गईं.

तालिका 5.1 : वर्ष के दौरान हुई पदोन्नतियां

विवरण	कुल	इनमें से	
		अजा	अजजा
अधिकारी ग्रेड 'बी' से 'सी'	68	11	4
अधिकारी ग्रेड 'ए' से 'बी'	100	15	6
ग्रुप 'बी' से अधिकारी संवर्ग	108	21	14

ग. स्टाफ की संख्या

5.22 31 मार्च 2006 को बैंक के कुल स्टाफ की संख्या 5,136 थी. इनमें से 1,292 अजा और अजजा वर्ग (तालिका 5.2) के हैं. भूतपूर्व सैनिकों और शारीरिक रूप से विकलांग स्टाफ की संख्या क्रमशः 113 और 98 रही जो स्टाफ की कुल संख्या का क्रमशः 2.2 और 1.9 प्रतिशत है.

तालिका 5.2 : कुल स्टाफ संख्या

संवर्ग	कुल	श्रेणी वार	
		अ.जा.	अ.ज.जा.
ग्रुप 'ए'	2976	411 (13.8)	199 (6.7)
ग्रुप 'बी'	1174	136 (11.6)	102 (8.7)
ग्रुप 'सी'	986	331 (33.6)	113 (11.5)
कुल	**5136**	**878 (17.1)**	**414 (8.1)**

कोष्ठक में बताए गए आंकड़े कुल से प्रतिशत दर्शाते हैं.

प्रशासनिक और अन्य मामले

अ. औद्योगिक संबंध

5.23 जून 2005 में कर्मचारियों और अधिकारियों के संघों ने अपना संयुक्त आन्दोलन स्थगित कर दिया जिससे बैंक के औद्योगिक सम्बन्धों में सुधार आया. बैंक ने कुछ विचारणीय मुद्दों पर बातचीत कर समझौता किया. वेतन संशोधन और विभिन्न अन्य मामलों के बारे में इन संघों के साथ बैठकें भी आयोजित की गईं और इससे आम सहमति बनी.

5.24 उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसरण में, प्रधान कार्यालय में एक केन्द्रीय शिकायत समिति और क्षेत्रीय कार्यालयों में 22 क्षेत्रीय शिकायत समितियां कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन-उत्पीड़न को रोकने के लिए कार्य कर रही हैं.

आ. अजा / अजजा कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी उपाय

5.25 बैंक ने सीधी भर्ती में तथा सभी ग्रेडों में पदोन्नतियों के मामले में, जहां तक उसने आरक्षण देना स्वीकार किया है, अजा/ अजजा हेतु आरक्षण के बारे में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों का पालन किया. वरिष्ठ कार्यपालकों, मुख्य संपर्क अधिकारी और अजा / अजजा कल्याण संघ के प्रतिनिधियों के बीच प्रधान कार्यालय में तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं. इन कर्मचारियों को प्रदान किए गए अन्य लाभों में, (i) 71 अधिकारियों और 103 ग्रुप 'बी' स्टाफ के लाभार्थ पदोन्नति-पूर्व दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन और (ii) वर्ष के दौरान अजा / अजजा कर्मचारियों के 109 विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और पुस्तक अनुदान योजना के अंतर्गत रु.2.68 लाख की राशि संवितरित करना शामिल है.

इ. स्टाफ के लिए अन्य लाभ

5.26 वर्ष के दौरान 189 कर्मचारियों को कुल रु. 896.83 लाख की राशि आवास ऋण के रूप में मंजूर की गई. पूर्व वर्षों के दौरान संस्वीकृत किए गए ऋणों सहित, संस्वीकृतियों के समक्ष संवितरण की राशि रु.940.77 लाख थी.

ई. पुस्तकालय

5.27 बैंक के प्रधान कार्यालय, मुंबई में एक केन्द्रीय पुस्तकालय है और क्षेत्रीय कार्यालयों में इसकी इकाइयां हैं. केन्द्रीय पुस्तकालय में हिंदी और अंग्रेजी की 24,800 पुस्तकें हैं तथा व्यावहारिक पेपरों, रिपोर्टों के अतिरिक्त कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों, बैंकिंग, ग्रामीण विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रबंधन आदि विषयों पर 155 पत्रिकाएं भी मंगाई जाती हैं. पुस्तकालय ब्रिटिश काउंसिल लाइब्रेरी और एनआईआरडी, हैदराबाद की संस्थागत सदस्यता के लिए शुल्क अदा करता है तथा बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित प्रमुख पुस्तकालयों के नेटवर्क से जुड़ा है. ऑन-लाइन / इंटरनेट से सूचनाओं की सुविधा प्रदान की गई है. पुस्तकालय समिति प्रधान कार्यालय स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय की कार्यपद्धति का पर्यवेक्षण करती है और क्षेत्रीय कार्यालयों में भी ऐसी ही समितियां कार्य करती हैं.

उ. सूचना प्रौद्योगिकी

5.28 सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित सेवाओं और डेटाबेस प्रबंध में सहायता के लिए प्रधान कार्यालय में एक सेन्ट्रल सर्वर स्थापित किया गया. 16 क्षेत्रीय कार्यालयों में लैन (एलएएन), 17 क्षेत्रीय कार्यालयों / प्रशिक्षण संस्थानों में मिनी-लैन तथा प्रधान कार्यालय और कुछ क्षेत्रीय कार्यालयों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट सुविधा प्रदान की गई. आंकड़े / सूचना खोने की स्थिति से निपटने के लिए आपदा राहत केन्द्र की स्थापना की गई. बैंक ने अधिक प्रसार के लिए हिंदी में अपनी वेबसाइट भी आरंभ की. प्रशासनिक और ऋण प्रदान करने संबंधी कार्य में वित्तीय लेखा के लिए आंतरिक रूप से प्रयुक्त किया जा रहा सॉफ्टवेयर सुस्थापित किया गया और प्रधान कार्यालय में आंकड़ों को केन्द्रीकृत किया गया. अधिकारियों और स्टाफ को इंस्टाएकाउंट के बारे में आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया. सामान्य प्रशासन और प्रबंध सूचना प्रणाली की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए, सॉफ्टवेयर के छोटे मॉड्यूल आंतरिक रूप से विकसित किए गए हैं तथा बैंक के प्रमुख व्यावसायिक कार्यों के लिए विकसित किया गया एकीकृत सॉफ्टवेयर आउटसोर्स किया गया है. सभी स्टाफ-सदस्यों को कंप्यूटर उपलब्ध कराने और बैंक के सभी कार्यों के कंप्यूटरीकरण के लिए प्रयास शुरू किए गए हैं.

ऊ. सतर्कता

5.29 नाबार्ड ने सतर्कता संबंधी निगरानी पर बल देना जारी रखा और क्षेत्रीय कार्यालयों / प्रशिक्षण संस्थानों के निवारक सतर्कता निरीक्षण पर तीन कार्यशालाएं आयोजित कीं. इसके अलावा, कोलकाता और मुंबई में नाबार्ड के सिविल और इलेक्ट्रिकल ढांचों के मुख्य तकनीकी परीक्षक प्रकार के दो निरीक्षण संचालित किए गए. नाबार्ड ने 07 से 11 नवंबर 2005 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाया.

ए. निरीक्षण

5.30 वर्ष के दौरान प्रधान कार्यालय के 17 विभागों और 23 क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण किया गया. निरीक्षण विभाग में तैनात स्टाफ की क्षमता और प्रभावपूर्णता बढ़ाने के लिए 'ट्रेजरी प्रबंधन और सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. जनवरी 2006 में क्षेत्रीय कार्यालयों में संगामी लेखापरीक्षक के रूप में कार्यरत 32 अधिकारियों के लिए लखनऊ में एक कार्यशाला आयोजित की गई.

5.31 पांच क्षेत्रीय कार्यालयों, नामतः आंध्र प्रदेश, गुजरात, उड़ीसा, राजस्थान और पश्चिम बंगाल की संगामी लेखापरीक्षा बाहरी लेखापरीक्षकों द्वारा की जाती रही थी. इसे बंद किया गया तथा इन क्षेत्रीय कार्यालयों में संगामी लेखापरीक्षा कक्ष स्थापित किए गए. इसके अलावा, मे.हरिभक्ति एंड कं. की कार्यावधि समाप्त होने के बाद संसाधन संग्रहण, सामान्य प्रशासन, वित्त एवं लेखा और परिसर विभागों और निवेश ऋण विभाग के सह-वित्तपोषण कक्ष की संगामी लेखापरीक्षा का कार्य मे.आर.देवेन्द्र कुमार एंड एसोसियेट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को सौंपा गया. मासिक लेखापरीक्षा विवरणियों के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यालयों / प्रशिक्षण संस्थानों में स्थापित संगामी लेखापरीक्षा कक्षों की भी ऑफ-साइट मॉनीटरिंग की गई. निरीक्षण मैनुअल तैयार करने का काम बाहरी कंसल्टैंट मे.शंकर अय्यर एंड कंपनी को सौंपा गया. 2006-07 और आगे किए जाने वाले निरीक्षणों के लिए यह मैनुअल मार्गदर्शन का काम करेगा. क्षेत्रीय कार्यालयों और प्रधान कार्यालय के विभिन्न विभागों की संगामी लेखापरीक्षा से संबंधित मार्गनिर्देशों में भी संशोधन किया गया.

ऐ. जनसंपर्क

5.32 विविध स्तरों पर ऋण और ऋणेतर सहयोग प्रदान करने के अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए बैंक ने कई प्रयास किए. वर्ष के दौरान जो महत्त्वपूर्ण आयोजन हुए, वे हैं – मुंबई में फलों

और सब्जियों के प्रसंस्करण पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक और नाबार्ड उत्सव का आयोजन. नाबार्ड ने नई दिल्ली में प्लास्टीकल्चर और प्रिसीज़न फार्मिंग पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, गुजरात में आयोजित कृषि महोत्सव, मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सिंधी व्यापार प्रदर्शनी और पुणे, औरंगाबाद तथा कराड में आयोजित कृषि व्यापार मेले में भी भाग लिया.

5.33 इसके अलावा, नाबार्ड ने अपनी तिमाही पत्रिका नाबार्ड परिवार और मासिक पत्र नाबार्ड न्यूज़लेटर का प्रकाशन जारी रखा. अल्पावधि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थाओं के पुनरुत्थान पर वैद्यनाथन समिति की रिपोर्ट पर आधारित पुस्तक 'स्ट्रेंथेनिंग इंडियाज़ रूरल को-ऑपरेटिव' भी विशेष रूप से प्रकाशित की गई.

ओ. कॉरपोरेटों के साथ सहयोग

5.34 ग्रामीण क्षेत्र की व्यापक संभावनाओं को पहचानने वाले कॉरपोरेटों के प्रवेश से हाल के दिनों में ग्रामीण परिदृश्य में तीव्र गति से परिवर्तन हो रहे हैं. कुछ प्रमुख कॉरपोरेटों के सफल अनुभवों ने अन्य कॉरपोरेटों को भी उनकी राह पर चलने को प्रेरित किया है. गुणवत्तापरक निविष्टियों की उपलब्धता और प्रबंधन, कृषि उत्पाद के मूल्यवर्धन, विपणन, ज्ञान केंद्रों की स्थापना आदि में इनका सहयोग मिला है. वर्ष के दौरान, नाबार्ड ने कॉरपोरेटों के साथ सहयोग के लिए प्रयास किए. भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि., जैन इरीगेशन, टाटा केमिकल्स लि. और धनुका ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज जैसे कॉरपोरेटों के साथ विचार-विमर्श किया गया.

औ. संसदीय समितियों का दौरा

5.35 ग्रामीण ऋण और विकास से जुड़े विविध पक्षों पर नौ संसदीय समितियों ने नाबार्ड के साथ विचार-विमर्श किया. ये समितियां हैं – (i) अधीनस्थ विधायन समिति, (ii) 'प्राथमिकता क्षेत्र ऋण - सरकारी क्षेत्र के बैंक' पर प्राक्कलन समिति, (iii) संसदीय राजभाषा समिति, (iv) कृषि और ग्रामोद्योग मंत्रालय उप-समिति, (v) प्राक्कलन समिति - ग्रामीण आवासन, (vi) सरकारी आश्वासनों से संबंधित राज्य सभा समिति, (vii) सरकारी आश्वासनों से संबंधित लोकसभा समिति, (viii) संसदीय स्थायी समिति - खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग और (ix) खाद्य उपभोक्ता कार्य और सार्वजनिक वितरण समिति.

अं. हिन्दी को बढ़ावा

5.36 नाबार्ड ने अपने दैनिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना जारी रखा. राजभाषा कार्यान्वयन समितियों ने हिन्दी के प्रयोग की भारत सरकार की नीति के परिप्रेक्ष्य में प्रगति की निरंतर समीक्षा की. भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन के मूल्यांकन के लिए तीन क्षेत्रीय कार्यालयों और एक प्रशिक्षण संस्थान का निरीक्षण भी किया गया.

5.37 भारत सरकार की हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत 53 स्टाफ-सदस्यों को आवश्यक हिन्दी प्रशिक्षण दिया गया. 11 आशुलिपिकों और 2 टंककों को क्रमशः हिन्दी आशुलिपि और हिन्दी टंकण प्रशिक्षण दिया गया. नई पारिभाषिक शब्दावली और बैंकिंग संकल्पनाओं से परिचित कराने के उद्देश्य से 17 राजभाषा अधिकारियों के लिए एक अनुवाद प्रशिक्षण कार्यशाला एनबीएससी, लखनऊ में आयोजित की गई. सामान्य कार्यशालाओं के अतिरिक्त, हिन्दीतर भाषा-भाषी स्टाफ सदस्यों के लिए सक्रिय सहभागिता मूलक एक हिन्दी कार्यशाला प्रधान कार्यालय में आयोजित की गई ताकि हिन्दीतर भाषी स्टाफ सदस्य अपना दैनिक कार्य हिन्दी में करने में सक्षम हो सकें. वरिष्ठ अधिकारियों के लिए भी एक कार्यशाला राष्ट्रीय बैंक स्टाफ महाविद्यालय, लखनऊ में आयोजित की गई.

5.38 राजभाषा से सम्बन्धित संसदीय समिति की तृतीय उपसमिति ने महाराष्ट्र और राजस्थान क्षेत्रीय कार्यालयों का क्रमशः जून 2005 और फरवरी 2006 में निरीक्षण किया और हिन्दी के प्रयोग की समीक्षा की. इसके अलावा, आलेख और साक्ष्य उप समिति द्वारा असम क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी के प्रयोग की समीक्षा की गई. इन समितियों ने बैंक के कार्यों में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि के संबंध में क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रयासों की सराहना की.

5.39 बैंक के विद्यमान और सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों के लिए 'कृषि और ग्रामीण विकास' से संबंधित विषयों पर हिन्दी में मूल पुस्तक लेखन योजना इस वर्ष भी जारी रही. इस योजना के अंतर्गत एक प्रस्ताव अनुमोदित किया गया. हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और वार्षिक हिन्दी समारोह में पुरस्कार वितरण हुआ. हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए आंध्र प्रदेश, गुजरात और पश्चिम बंगाल क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, मंगलूर को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक) द्वारा राजभाषा शील्ड प्रदान की गई. बैंक की हिंदी गृह-पत्रिका 'राष्ट्रीय बैंक सृजना' का प्रकाशन नियमित रूप से होता रहा.